

नीदरलैंड, डेनमार्क, जर्मनी जाएंगे विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

विदेश मंत्रालय ने एवियार को कार्यक्रम की घोषणा की। यह यात्रा 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक गतिविधियों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना और प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाना है। इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, निवेश और आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के बयान के

अनुसार, यात्रा के दौरान विदेश मंत्री तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत सक्रिय रूप से यूरोप में अपनी पहुंच को मजबूत कर रहा है, जिसमें व्यापार, निवेश, डिजिटल सहयोग, जलवायु कार्रवाई और साझा सुरक्षा चिंताओं पर जोर दिया जा रहा है। उनकी बैठकों में



भू-राजनीतिक घटनाक्रम, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय सहित कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

भारत और डेनमार्क ने फरवरी 2024 में एक गतिशीलता और प्रवासन भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारतीय नागरिकों को डेनमार्क में काम करने के लिए एक संरचित रास्ता तैयार करने में मदद मिली, खासकर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में। इस समझौते

में डेनमार्क में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों के लिए भी प्रावधान शामिल हैं, जिससे उन्हें पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश के लिए अतिरिक्त समय मिल सके।

इसके अलावा, सितंबर 2024 में डॉ. जयशंकर ने डेनमार्क के उद्योग, व्यापार और वित्तीय मामलों के मंत्री मोर्टेन बडस्कोव से मुलाकात की और ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। यह साझेदारी अक्षय ऊर्जा सहयोग पर केंद्रित है, जिसमें भारत डेनिश कंपनियों को अपने बढ़ते अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित करता है।